पाठ 11

मड़ई–मेला

कंघी	चिल्लाना	मोहरी
मंगल	फुग्गा	मुश्किल

आज हमारे गाँव में मड़ई–मेला है। बुधिया, सुकवारो और संगीता आज सुबह से ही मेले में जाने के लिए तैयार हैं। चैतू, मंगल और समारू भी तेल, कंघी कर तैयार हैं। सभी बच्चे खाना खाकर मेला देखने चल पड़े।

वे मेले के करीब पहुँचे तभी उन्हें रहँचुली की आवाज सुनाई पड़ने लगी। जल्दी–जल्दी चलकर सब मेले में पहुँचे। सभी झूले के पास जाकर डट गए। जैसे ही झूला रुका सभी बच्चे बैठने के लिए कूद पड़े। बैठ जाने के बाद झूला शुरू हुआ। बच्चे खुशी से चिल्लाने लगे। समारू को बहुत डर लग रहा था। उसने अपना मुँह छुपा लिया था।

सभी झूला झूलकर वहाँ से आगे बढ़े। इतने में ही दफड़ा, निसान और मोहरी बाजे की आवाज सुनाई पड़ने लगी। सभी ओर खुशी का शोर उठा– ''मड़ई आ गई, मड़ई आ गई।''

सुंदर रंग–बिरंगी पोशाकों और फूल–मालाओं से सजे राउत लोगों का समूह दिखाई पड़ा। सभी लोग बाजे की धुन पर नाचते हुए आगे बढ़ रहे थे।

राउतों के मुखिया के हाथ में मड़ई थी। राउत लोग इसे गाँव से परघाकर मेले में लेकर आ गए थे। मड़ई को मेले में गाड़कर लोग उसकी पूजा करते रहे। राउतों का नाच बाजे–गाजे के साथ चल रहा था। अब मेला पूरी तरह से भर चुका था।

मेले में तरह–तरह की दुकानें थीं। रंगीन फुग्गों से मेले में बहार आ गई थी। बच्चों ने गुलगुला, भजिया, मुर्रा लाडू, करी लड्डू खरीदे और खाते हुए घूमते रहे। सुकवारो ने जलेबी खाई। समारू एक बड़ा–सा गन्ना खरीद लाया। गन्ने के टुकड़े बनाकर सभी गन्ना चूसते रहे।

सभी बच्चे खिलौने की दुकान पर पहुँच गए। सुकवारो ने जहाज़, संगीता ने गुड़िया और बुधिया ने रेल खरीदी। चैतू ने मोर, मंगल ने कार और समारू ने एक बड़ी गेंद ली। सब बच्चे घूम–घूमकर सामान खरीदते रहे। अंत में सभी ने तरह–तरह के फुग्गे खरीदे। सभी बच्चे एकत्र हो जाने के बाद वापस घर की ओर चल पड़े। वे बहुत खुश लग रहे थे।

शिक्षण संकेत :– संयुक्त वर्ण वाले शब्दों के उच्चारण एवं लेखन का अभ्यास करवाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ उनकी भाषा में बताएँ। प्रश्नों के अभ्यास यथास्थान पेंसिल से करवाएँ। बच्चों को आरोह–अवरोह के साथ पढ़ना सिखाएँ।

शब्दार्थ

करीब	=	पास	पोशाक	=	पहनने के कपड़े
लाडू	=	लड्डू	एकत्र	=	इकट्ठे
रहँचुली	=	एक प्रकार का झूला			
परघाकर	=	पूजा कर, स्वागत करके			
दफड़ा	=	ढप या ढपली की तरह का एक बाजा			
निसान	=	एक प्रकार का बाजा			
मोहरी बाजा	=	पिपिहरी, शहनाई की तरह का बाजा			

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

करीब, पोशाक, एकत्र, मुश्किल, रहँचुली

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर बताओ –

क. रहँचुली किसे कहते हैं ?

ख. राउतों के मुखिया के हाथ में क्या था ?

ग. मेले में लोग किसकी पूजा कर रहे थे ?

घ. राउत लोगों की पोशाक कैसी थी ?

ङ. बच्चों ने मेले में क्या–क्या खाया ?

3. निम्नलिखित चीजें किस रंग की होती हैं ? लिखो –

क. पका टमाटर लाल

ख. श्यामपट .....

ग. नीम के पत्ते .....

घ. मूली .....

ङ सूरजमुखी का फूल .....

4. खिलौने की इस दुकान से तुम क्या – क्या खरीदोगे –

_____

_____

5. तुमने मड़ई–मेले में क्या–क्या देखा ? लिखो –

_____

_____

5. तुम्हारे गाँव में मड़ई–मेला कब लगता है ? उसमें तुम क्या – क्या करते हो –

_____

_____

6. शब्दों की रेल –

7. 'मैं' या 'तुम' लगाकर वाक्य पूरे करो –

क. ———— रायपुर जा रहा हूँ।
ख. ———— नहा रहे हो।
ग. ———— पढ़ रहा हूँ।
घ. ———— रायपुर जाओ।
ङ ———— कहाँ जा रहे हो?

8. तुम मेले में जाते तो क्या–क्या खरीदते ?

9. गतिविधि :–

1. गत्ते, कागज और माचिस की खाली डिबियों से रहँचुली बनाओ।
2. अपने गाँव/शहर के मेले का चित्र कापी में बनाओ।
3. मड़ई/मेले का भ्रमण कर अपना अनुभव सुनाओ।

36JTUA